किरातार्जुनीयम में द्रौपदीः एक सशक्त नारी

अश्विनी देवी

संस्कृत साहित्य में महाकवि भारवि का नाम बड़े ही सम्मान से लिया जाता है। उनकी एक मात्र कृति है– किरातार्जुनीयम् जो 18 सर्गों में निबद्ध है। नायक मध्यम पाण्डव अर्जुन हैं और नायिका द्रौपदी। प्रस्तुत लेख द्रौपदी के चरित्र को प्रस्तुत करने का प्रयास है। द्रौपदी के चरित्र को प्रस्तुत करने का प्रयास है। द्रौपदी के माध्यम से भारवि ने यह बताने का प्रयास किया हैं कि महिला पात्र केवल सौंदर्य की ही नहीं अपितु सशक्तता की भी भी प्रतिनिधि हो सकती है। इसमें दौपदी की राजनीतिक सूझ बताने की कोशिश की गयी है।